

फर्द अहकाम

न्यायालय सहायक कलक्टर, (SDO) मावली, उदयपुर

प्रार्थी : श्री जीवा

विपक्षी : राज्य

किस्म मुकदमा – 88 रा.का. अधिनियम

पत्रावली संख्या : 144/21

क्रमांक	कार्यवाही विवरण	हस्ताक्षर पाटी तथा सुनारण जारी की गई
	<p>दिनांक : 05.01.2022</p> <p>पत्रावली प्रशासन गांवो के संग अभियान-2021 कैम्प आमली में पेश हुई। अधिवक्ता वादी उपस्थित। तहसीलदार मावली द्वारा स्वीकारात्मक जवाब पेश कर वाद को स्वीकार किये जाने पर सहमति व्यक्त की। उभय पक्ष को सुना गया।</p> <p>हमने पत्रावली का अवलोकन किया। दस्तावेजात का अध्ययन किया। प्रकरण में वादी द्वारा घोषणा का वाद प्रस्तुत कर निवेदन किया कि वादी का नाम राजस्व रेकार्ड में जीवा पिता दला डांगी दर्ज कर दिया गया है जबकि वास्तविक नाम जीवा पिता दुदा डांगी है जिसे संशोधित किया जाने का निवेदन किया। प्रकरण में तहसीलदार मावली द्वारा जांच रिपोर्ट पेश किया जिसमें दला व दुदा को एक ही व्यक्ति होना बताया है। रिपोर्ट अनुसार वाद को स्वीकार किया जाने पर सहमति व्यक्त की है। वादी द्वारा पहचान स्वरूप बक्षीस नामों की प्रति, मतदाता पहचान पत्र की प्रति, जमाबन्दी की नकले पेश किये जिनमें सभी में वादी का नाम जीवा पिता दुदा दर्ज है। राजस्व रेकार्ड में गलत नाम दर्ज होने से वादी को काफी कठिनाईयों को सामना करना पड रहा है। तहसीलदार मावली द्वारा भी नाम दुरुस्त किया जाने की अनुशंषा की गई है। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर वादी का वाद स्वीकार योग्य पाया जाता है।</p> <p style="text-align: center;">—: आदेश :-</p> <p>परिणामस्वरूप वादी का वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का स्वीकार कर डिक्री किया जाता है कि मौजा विकरणी पटवार हल्का विजनवास की आराजी नम्बर 1448/682, 678, 684, 686 किता 4 रकबा 0.5504 हेक्टेयर एवं आराजी नम्बर 398, 403, 405 किता 3 रकबा 0.5017 हेक्टेयर भूमि में वादी का नाम जीवा पिता दला के बजाय जीवा पिता दला उर्फ दुदा डांगी दर्ज किया जाने का आदेश दिया जाता है। शेष इन्द्राज बदस्तुर रहे। डिक्री पर्चा जारी हो। पत्रावली फैसल सुमार होकर नम्बर से कम हो।</p> <p style="text-align: center;">निर्णय सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">(मयंक मनीष I.A.S.) सहायक कलक्टर (SDO) मावली</p>	



मूल वाद में डिक्री

(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

न्यायालय सहायक कलक्टर (SDO) मावली, जिला-उदयपुर

पीठासीन अधिकारी : श्री मयंक मनीष, I.A.S

उनवान

1. श्री जीवा पिता दुदा डांगी निवासी विकरणी तह. मावली।

.....वादी

बनाम

1. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार मावली तह. मावली।
2. पटवारी, पटवार हल्का विजनवास तह. मावली।

.....प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88 राज.काश्तकारी अधिनियम

मुकदमा न0 : 144 / 21 (वाद) GCMS No. – 2021 / 267

यह मुकद्दमा आज वास्ते इन्फिसाल कतई रुबरु मयंक मनीष, I.A.S. मिनजानिब मुद्दायलह पेश होकर हुक्म दिया जाता है व डिगरी दी जाती है कि :-

वाद वादी अन्तर्गत धारा 88 राज. का. अधिनियम का स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है कि मौजा विकरणी पटवार हल्का विजनवास की आराजी नम्बर 1448/682, 678, 684, 686 किता 4 रकबा 0.5504 हेक्टेयर एवं आराजी नम्बर 398, 403, 405 किता 3 रकबा 0.5017 हेक्टेयर भूमि में वादी का नाम जीवा पिता दला के बजाय जीवा पिता दला उर्फ दुदा डांगी दर्ज किया जाने का आदेश दिया जाता है। शेष इन्द्राज बदस्तुर रहे।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से आज तारीख 05.01.2022 को जारी की गई।

(मयंक मनीष IAS)
सहायक कलक्टर
(SDO) मावली